D

(20325) (Printed Pages 4)

B.A.-II Year (Pvt.) Roll No.

NUS-4966

B.A. (Annual) Examination, 2025

हिन्दी

आधुनिक हिन्दी काव्य

(A-213)

(New Course)

Time : 3:00 Hours] *[Maximum Marks : 50*

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र को **पाँच खण्डों-अ, ब, स, द** तथा **इ** में विभाजित किया गया है। **खण्ड-अ** (लघु उत्तरीय प्रश्न) में **एक** लघु उत्तरीय प्रश्न है, जिसके **दस** भाग हैं। ये सभी **दस** भाग **अनिवार्य** हैं। **खण्डों-ब, स, द** तथा **इ** (विस्तृत उत्तरीय प्रश्न) प्रत्येक में **दो** प्रश्न हैं। प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

खण्ड-अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : **खण्ड–अ** (लघु उत्तरीय प्रश्न) में **एक** लघु उत्तरीय **प्रश्न** है, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी** भाग **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक भाग 2 अंकों का है। 10×2=20

1. निम्नलिखित के लघु उत्तर दीजिएः

(क) मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित दो खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

P.T.O.

(ख) जयशंकर प्रसाद किस युग के प्रतिनिधि कवि हैं? उनकी दो रचनाओं के नाम भी लिखिए।

(ग) 'जूही की कली' किस काव्य-संग्रह में संकलित हैं? इसके रचनाकार का नाम भी बताइए।

(घ) महादेवी वर्मा की चार रचनाओं के नाम बताइए।

(ङ) 'विपथगा' कविता का मूल स्वर क्या है?

(च) छायावादी कविता की चार विशेषताएं बताइए।

(छ) श्रीधर पाठक की दो काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(ज) माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य का मूल स्वर क्या है?

(झ) 'कानपुर का शेर' किस कवि को कहा जाता है? उनके काव्य की दो विशेषताएं भी बताइये।

(ञ) सुभद्रा कुमारी चौहान के दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

नोट : **खण्ड-ब, स, द** तथा **इ** (विस्तृत उत्तरीय प्रश्न) अधिकतम अंक का **60% खण्ड-ब, स, द** तथा **इ** प्रत्येक में **दो** प्रश्न हैं। प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना है। प्रत्येक प्रश्न 7½ अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

खण्ड-ब

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 7½

किस व्रत मे है, व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किए,
राजभोग्य के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिए,
बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है,
जिसकी रक्षा में रत इसका, तन है, मन है, जीवन है!

अथवा

3. बस गई एक बस्ती है 7½
स्मृतियों की इसी हृदय में,
नक्षत्र-लोक फैला है
जैसे इन नील-निलय में।
ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
इस ज्वालामयी जलन के,
कुछ शेष चिह्न हैं केवल
मेरे उस महामिलन के।

खण्ड-स

4. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 7½

विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न
अमल-कोमल-तनु तरुणी-जूही की कली,
दृग बन्द किए, शिथिल-पत्रांक में,
वासन्ती निशा थी;
विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।

अथवा

5. विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात 7½
वेदना में जन्म करुणा में मिला आवास;
अश्रु चुनता दिवस इनका, अश्रु गिनती रात!
विरह का जलजात जीवन!
आंसुओं का कोष उर दृग अश्रु की टकसाल
तरल क्षण कण से बने छन सा क्षणिक मृदु गात!
जीवन विरह का जलजात!

खण्ड-द

नोट : निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए।

6. "मैथिलीशरण गुप्त द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि हैं" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 7½

7. छायावादी काव्य की विशेषताएं बताते हुए छायावाद में प्रसाद जी का स्थान निर्धारित कीजिए। 7½

खण्ड-इ

नोट : निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए।

8. पन्त की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 7½

9. दिनकर की राष्ट्रीय भावना पर निबन्ध लिखिए। 7½